श्याम बाबा जी की आरती गीत

श्याम बाबा जी की आरती गीत
ॐ जय श्री श्याम हरे,
बाबा जय श्री श्याम हरे ।
खाटू धाम विराजत,
अनुपम रूप धरे॥

ॐ जय श्री श्याम हरे,
बाबा जय श्री श्याम हरे ।
रतन जड़ित सिंहासनिंहासन,
सिर पर चंवर ढुरे ।ंवर ढुरे ।
तन केसरिया बागोया बागो,
कुण्डल श्रवण पड़े ॥े॥

ॐ जय श्री श्याम हरे,
बाबा जय श्री श्याम हरे ।
गल पुष्पों की माला,
सिर पार मुकुट धरे ।
खेवत धूप अग्नि पर
पर,
दीपक ज्योति जले ॥ जले ॥

ॐ जय श्री श्याम हरे,
बाबा जय श्री श्याम हरे ।
मोदक खीर चूरमा,
सुवरण थाल भरे ।
सेवक भोग लगावत,
सेवा नित्य करे ॥त्य करे ॥

ॐ जय श्री श्याम हरे,
बाबा जय श्री श्याम हरे ।

झांझ कटोरा और घडियावल
ल,
शंख मृदंग घुरे ।ंग घुरे ।
भक्त आरती गावेे,
जय-जयकार करे ॥

ॐ जय श्री श्याम हरे,
बाबा जय श्री श्याम हरे ।
जो ध्यावे फल पावे,

सब दुःख से उबरे ।ःख से उबरे ।
सेवक जन निज मुख सेज मुख से,
श्री श्याम-श्याम उचरे ॥

ॐ जय श्री श्याम हरे,
बाबा जय श्री श्याम हरे ।
श्री श्याम बिहारी जी की आरतीहारी जी की आरती,
जो कोई नर गावे ।े।
कहत भक्त-जन,
मनवांछित फल पावे ॥

े॥

ॐ जय श्री श्याम हरे,
बाबा जय श्री श्याम हरे ।
जय श्री श्याम हरे,
बाबा जी श्री श्याम हरे ।
निज भक्तों केतुमनेज भक्तों केतुमने,
पूरण काज करे ॥

ॐ जय श्री श्याम हरे,
बाबा जय श्री श्याम हरे ।
ॐ जय श्री श्याम हरे,
बाबा जय श्री श्याम हरे।

खाटू धाम विराजतराजत,
अनुपम रूप धरे॥

ॐ जय श्री श्याम हरे,
बाबा जय श्री श्याम हरे ।